प्र. १ टिप्पणी लिखिए।

क. वीर एवं रीति कवियों के आस्तित्व में दरबार की भूमिका। (१०)

अथवा

कबीरदास।

ख. सामाजिक नवजागरण और हिन्दी साहित्य। (१०)

अथवा

छायावाद कालीन परिवेश।

प्र. २ भक्ति काव्य की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए। (२०)

अथवा

पुनर्जागरण की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

प्र. ३ दरबारी साहित्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (२०)

अथवा

छायावादी कविता के सामाजिक सरोकारों की चर्चा कीजि।

प्र. ४ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नो के उत्तर लिखिए। (२०)

च. भक्ति काव्य में तुलसीदास के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

छ. पुनर्जागरण के संदर्भ में द्विवेदी युगीन साहित्य की चर्चा कीजिए।

ज. छायावाद युगीन गद्य साहित्य का परिचय दीजिए।

प्र. ५ ट. एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (१०)

१. आदिकाल को अन्य किन नामों से जाना जाता है?

२. पृथ्वीराज रासो के प्रामाणिक न होने का कोई एक कारण बताइए।

३. सूरदास के काव्य की कोई एक विशेषता बताइए।

४. छायावाद से क्या तात्पर्य है।

५. पंत जी प्रकृति के सुकुमार कवि क्यों कहे जाते हैं?

६. भारतेन्दु युग को नव जागरण युक क्यों कहा जाता हे?

७. छायावाद युगीन किन्ही दो गद्य रचनाओं के नाम बताइए।

८. भक्तिकाल एवं रीति काल का कोई एक अन्तर बताइए।

९. कबीर एंव जायसी के काव्य की कोई एक समानता बताइए।

१०. मीरा काव्य की कोई एक विशेषता बताइए।

ठ. सहि विकल्प चुनिए। (०५)

१. कीर्तिलता के रचनाकार हैं .....

अमीर खुसरो विद्यापति चन्दरवरदायी नरपतिनाल्ह

२. जायसी की भाषा है .....

अवधी ठेठ अवधी ब्रज मैथिली

३. भारतेन्दु युगीन रचनाकार हैं .....

प्रताप नारायण मिश्र मैथिली शरण गुप्त जयशंकर प्रसाद प्रेमचंद

४. 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना हुई थी.....

१९३५ १९३६ १९४० १९४२

५. आधुनिक युग के छायावाद एवं रहस्यवाद की अग्रणी रचनाकार हैं .....

महादेवी वर्मा सुभद्रा कुमारी चौहान कात्यायनी अनामिका

ड. जोडे मिलाइए (०५)

भारतेनु हरिशचन्द्र	युगवाणी
महावीर प्रसाद द्विवेदी	आखिरी कलाम
मलिक मुहम्मद जायसी	अंधेर नगरी
महादेवी वर्मा	सरस्वती
सुमित्रानन्दन पंत	यामा